उत्पत्ति ४८: आशीष

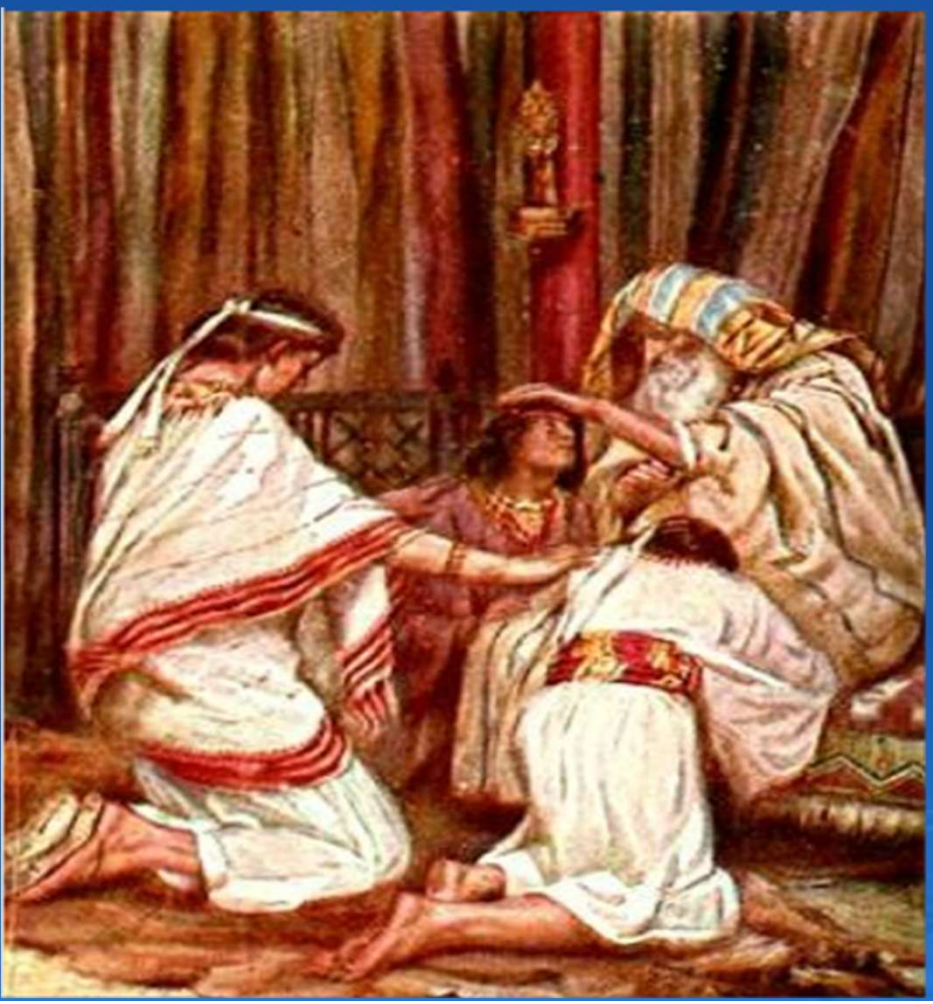

- याकूब मृत्युशय्या पर था।
- यूसुफ के दोनों पुत्र मिस्री पत्नी आसनत के गर्भ से उत्पन्न हुए थे।
- याकूब (इस्राएल) ने अपने पिता इसहाक से अब्राहमी वाचा का ज्ञान प्राप्त किया था।
- क़हल अम्मीम = अपने ही देशवासियों की पवित्र सभा।
- वे कनान को "वाचा की भूमि" के रूप में प्राप्त करेंगे।

- लूज = बेतेल
- याकूब ने परमेश्वर को यहोवा नहीं पुकारा।
- पुरातन-भाषाविज्ञान – प्राचीन भाषाओं का अध्ययन। शद्दाई अक्कादी शब्द
- "शद्दु" का सम्बन्धी है।
- शद्दु का अर्थ "पर्वत" है।
- एल शद्दाई = पर्वत का ईश्वर

याकूब यूसुफ के दोनों पुत्रों को गोद लेता है

- याकूब ने केवल इन लड़कों को इस्राएली नहीं बना दिया था।
- एफ्रेम और मनश्शे उसके पुत्र बन गए, उसके अन्य बारह पुत्रों के समान।
- उस समय इस्राएल की चौदह बटुकें हो गई थीं।

तुम इस्राएल से प्रेम क्यों करते हो?

- ईसाई धर्म ने इस सिद्धान्त को नजरअंदाज कर दिया है कि हमें इस्राएल की आध्यात्मिक विरासत में डाली जाना चाहिए, ताकि हम उद्धार पाएँ।
- यह येशु के द्वारा सम्पन्न होता है।
- "परमेश्वर का परिवार" इस्राएल ही है।
- कलीसिया को "सच्ची कलीसिया" बनाने वाली बात यह है कि हम इस्राएल की वाचाओं में डाले गए हैं।
- यह शारीरिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक डाली जाना है।
- इस्राएल का आध्यात्मिक आदर्श।

पुरानी और नवीनतम वाचाएँ इस्राएल को दी गईं!

- यिर्मयाह ३१:३१ – “देखो... मैं इस्राएल के घराने के साथ और यहूदा के घराने के साथ नई वाचा बाँधूँगा...”
- कोई “गैर-यहूदी” वाचा नहीं है।
- कोई भी इन वाचाओं में भाग नहीं ले सकता, जब तक वह इस्राएल का अंग न हो।
- गैर-यहूदियों को इन वाचाओं (नई वाचा सहित, जो येशु में है) में कानूनी अधिकार प्राप्त करने के लिए इस्राएल का अंग घोषित किया जाना आवश्यक है।

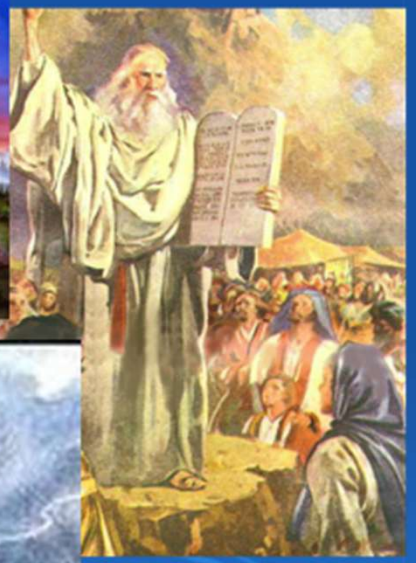

क्या “कलीसिया” ने इस्राएल को प्रतिस्थापित कर दिया है?

- **नास अनुवाद – यिर्मयाह ३१:३५** यहोवा यह कहता है, जो दिन में सूर्य को उजाला देने वाला, रात में चाँद और तारों को उजाला देने वाला, समुद्र को इस प्रकार हिलाने वाला है कि उसकी लहरें गरजती हैं – सेनाओं का यहोवा उसका नाम है – “यदि ये नियत नियम मेरे सामने से हट जाएँ,” यहोवा की यही वाणी है, “तब इस्राएल की सन्तान भी मेरे सामने से जाति बनकर रहना सदैव के लिये बंद कर देंगी।” “यहोवा यह भी कहता है, ‘यदि ऊपर आकाश को नापा जा सके, और नीचे पृथ्वी की नींव खोजी जा सके, तभी मैं इस्राएल की सारी सन्तान को उनके सब किये कामों के कारण त्याग दूँगा,’ यहोवा की यही वाणी है।”
- **प्रतिस्थापन सिद्धान्त कोई भूल नहीं है, बल्कि जानबूझकर किया गया धोखा है।**
- **यह इस्राएल की विरासत को उनसे चुराने का प्रयास है।**

गैर-यहूदी शामिल हो सकते हैं... यदि..

- यह इसलिए नहीं कि हम "अच्छे" हैं।
- परमेश्वर ने विदेशियों (गैर-यहूदियों) के लिए व्यवस्था की कि वे इस्राएल में शामिल हो सकें।
- गैर-यहूदियों को प्रथम श्रेणी के नागरिक बनना है।
- आध्यात्मिक दृष्टि से इस्राएल में शामिल होने के अलावा, उनकी वाचाओं में भाग लेने का कोई अन्य मार्ग नहीं है।
- यह येशु में विश्वास के द्वारा सम्पन्न होता है।

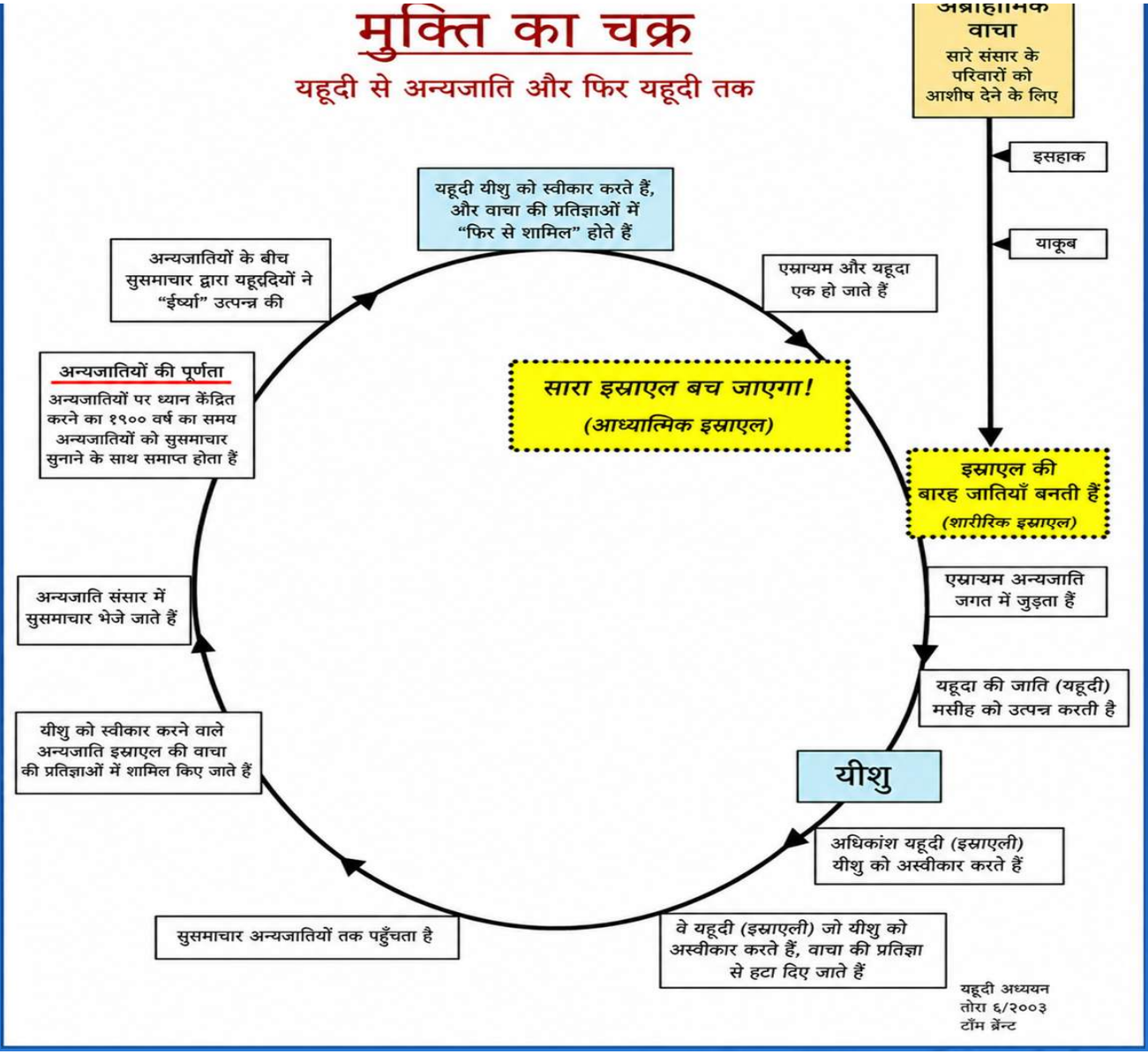

- यहूदियों से, गैर-यहूदियों तक, फिर यहूदियों की ओर।
- लक्ष्य यह है कि समस्त इस्राएल का उदधार हो।
- रोमियों २:२६
- पौलुस के अनुसार यहूदी = इस्राएल।
- एक "सच्चा यहूदी" अवश्य ही "आध्यात्मिक इस्राएली" होना चाहिए।

हमारा आध्यात्मिक स्थान परमेश्वर के साथ ही महत्त्वपूर्ण है।

- हमारा आध्यात्मिक स्थान किस पर आधारित है?
- यह इस्राएल के साथ की गई वाचाओं पर आधारित है, जिसमें येशु में नई वाचा भी शामिल है।
- पौलुस यहूदियों और गैर-यहूदियों दोनों से बात कर रहा है।
- रोमियों ३:१-३
- यहोवा पर विश्वास रखने वालों के बीच कोई आध्यात्मिक भेद नहीं है।
- किन्तु शारीरिक भेद अवश्य है: शारीरिक यहूदी (इस्राएली) और शारीरिक गैर-यहूदी दोनों मौजूद हैं!
- शारीरिक यहूदियों को विशेष लाभ है, क्योंकि उन्होंने "वचन" को जगत में लाया।
- जो कोई भी उद्धार के लिए येशु पर विश्वास करता है, वह "सच्चे इस्राएल" का अंग बन जाता है..... "आध्यात्मिक यहूदी" (आध्यात्मिक इस्राएली)।

परमेश्वर का राज्य

- परमेश्वर का राज्य लोग हैं, संस्थाएँ नहीं।
- वे लोग जो स्वयं को परमेश्वर को समर्पित कर चुके हैं।
- येशु में विश्वास ही एकमात्र पहचान है कि कौन इसका सदस्य है।
- किन्तु... इस सब का कानूनी आधार इस्राएल के साथ की गई वाचाओं में निहित है।
- यहूदी गैर-यहूदी शारीरिक पहचान नहीं ग्रहण करते।
- गैर-यहूदी यहूदी शारीरिक पहचान नहीं ग्रहण करते।

स्वर्ग

व्यवस्था
सिद्धांत
आज्ञाएँ

वचन
नियम

दिव्य
आदर्श

आध्यात्मिक क्षेत्र

आदर्शों को भौतिक
आचरण में लाना

לאלפים
העכרם
אלהיר יהוה
ולשמרי
כשמים

ולשנרי
עבדים
כשמים
יהוה פתחה
לאהבי

व्यवस्था वचन
सिद्धांत
नियम
आज्ञाएँ

पृथ्वी

भौतिक क्षेत्र

- **<u>इफिसियों २:११</u>**
- जन्म से गैर-यहूदी, इस्राएल और परमेश्वर से बाहर वाले।
- मसीह के द्वारा घोषित रूप से भीतर वाले बनाए गए।
- **<u>रोमियों ९:६</u>**
- हर एक इस्राएली "सच्चे" इस्राएल (आध्यात्मिक इस्राएल) का अंग नहीं है।
- हर एक गैर-यहूदी परमेश्वर के राज्य (सच्चे/आध्यात्मिक इस्राएल) का अंग नहीं बनेगा।
- **<u>गलातियों ३:२६</u>**
- येशु में विश्वास = अब्राहम की सन्तान।
- वाचा के अनुसार वारिस होना, अब्राहम के साथ की गई वाचा के अनुसार है।
- मसीह परमेश्वर की योजना का एक भाग था, किन्तु पूरा नहीं।

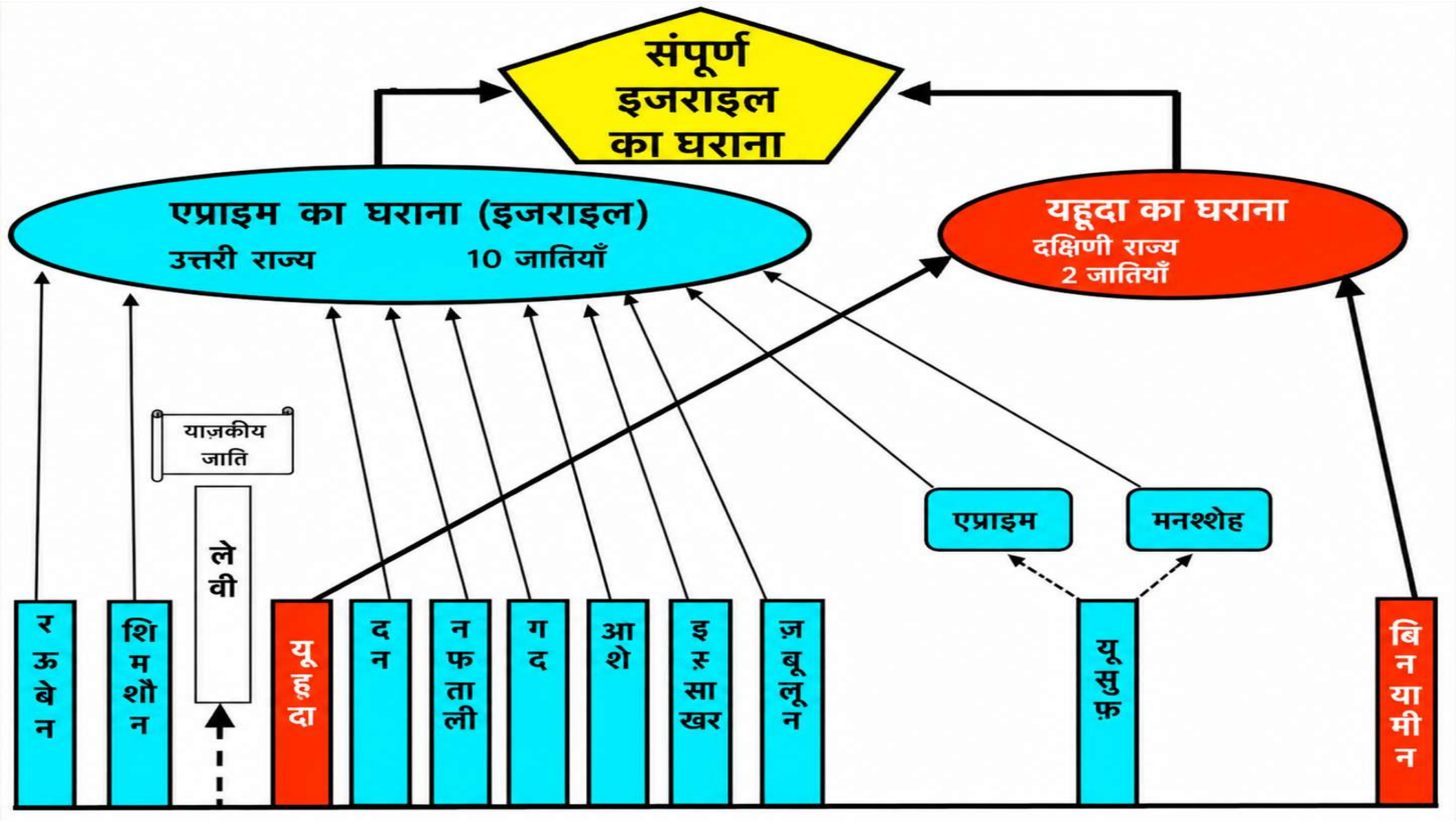
संपूर्ण इजराइल का घराना
एप्राइम का घराना (इजराइल)
उत्तरी राज्य
10 जातियाँ
यहूदा का घराना
दक्षिणी राज्य
2 जातियाँ
याज़कीय जाति
लेवी
रूबेन
शिमशौन
यूहूदा
दन
नफताली
गद
आशे
इस्साखर
ज़बूलून
एप्राइम
मनश्शेह
यूसुफ़
बिनयामीन